Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 20-02-2006
Participants : Vasava Shri Mansukhbhai D.

>

Title : Need to confer ownership rights on the tribals living on forest land in Gujarat.

श्री मनसुखभाई डी. वसावा (भरूच) : महोदय, पूरे गुजरात में आदिवासी लोगों को जंगल से हटाया जा रहा है। ये आदि वासी लोग अपने पूर्वजों के समय से इन जंगलों में रहते आये हैं और अपने परिवार का लालन-पालन जंगल में पैदा होने वाली फसलों एवं अन्य चीजों के माध्यम से करते आ रहे हैं। जंगल एवं आदिवासी एक दूसरे के पर्यायवायी हैं और इन जंगलों में जो आदिवासी लोग रहते हैं वे बेहद गरीब, अनपढ़ एवं अनुसूचति जनजाति एवं अनुसूचति जाति वर्ग से हैं। इन आदिवासी लोगों से जंगल बर्बाद नहीं होते बल्कि आबाद होते हैं क्योंकि आदिवासी लोग जंगल को अपना देवता मानते हैं। जंगल को बरबाद करने वाले माफिया लोगों के खिलाफ केन्द्र सरकार को समुचित कार्य करना चाहिए और जंगल को बरबाद करने का दोाी अनपढ़ एवं नादान लोगों को नहीं बनाना चाहिए।

अतः सदन के माध्यम से केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि जंगलों में रहने वाले लोगों को, जो जिस घर में रहता है, वह उनके नाम किया जाये और जिन खेतों को वे बोते हैं वह उनके नाम किया जाये। इसके लिए कोई संशोधन और कानून बनाये जाने की आवश्यकता हो तो उस पर तुरंत अमल करें।